दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना-राशिफल

रायगढ़, गुरुवार 26 दिसंबर 2024
www.nyaysakshi.com

संपादकीय

2047 तक विकसित भारत की दृष्टि साकार हो सके

कम-से-कम 1990 के बाद से रिजर्व बैंक की कमान पेशेवर गवर्नरों के हाथ में रही। कई बार सरकारों ने तब भी उसके दायरे में घुसपैठ की, फिर भी मोटे तौर पर रिजर्व बैंक अपनी स्वायत्तता जताने में सफल रहता था। अब ये कहानी बदल गई है। संजय मल्होत्रा लगातार दूसरे नौकरशाह हैं, जिन्हें भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाया गया है। उनकी नियुक्ति के एलान के संकेत मिल गया था कि केंद्र सरकार भविष्य में आरबीआई से कैसी भूमिका की अपेक्षा रखती है।

मल्होत्रा ने इस प्रतिष्ठित संस्था का कमान संभालने के तुरंत बाद जो कहा, उससे यह भी जाहिर हो गया है नए गवर्नर किस रूप में अपनी भूमिका देखते हैं।

मल्होत्रा ने कहा- 'अब जबकि हम अमृत काल में प्रवेश कर रहे हैं, हमारी अर्थव्यवस्था जिस हाल में है, उसे और विसित होने की जरूरत है, ताकि 2047 तक विकसित भारत की दृष्टि साकार हो सके।' लाजिमी है कि ऐसे वक्तव्य आर्थिक से ज्यादा राजनीतिक रंग लिए दिखें।

सेंट्रल बैंकों (जिसे भारत में रिजर्व बैंक कहा जाता है) की क्या भूमिका होना चाहिए, इस पर सोच अक्सर टकराती रही है। मजबूत सरकारें अक्सर उसे अपने एक विभाग के रूप में काम करते देखना चाहती हैं, जबकि बाजार और अर्थव्यवस्था में हित रखने वाले अनेक दूसरे तबकों की अपेक्षा यह होती है कि ये संस्था पेशेवर नजरिए से काम करे।

लोकतान्त्रिक देशों में सरकारों की अपनी सियासी एवं चुनावी प्राथमिकताएं होती हैं, जो कई बार अर्थव्यवस्था की बड़ी जरूरतों के खिलाफ चली जाती हैं।

उस समय सेंट्रल बैंकों से उम्मीद रहती है कि वे शासक दल की जरूरत के मुताबिक चलने के बजाय अर्थव्यवस्था के बुनियादी तकाजों को प्राथमिकता देंगे।

कम-से-कम 1990 के बाद से भारत में रिजर्व बैंक की कमान पेशेवर गवर्नरों के हाथ में रही और उन्होंने अपेक्षाकृत स्वायत्त ढंग से फैसले लिए।

कई मामलों में सरकारों ने तब भी इस दायरे में घुसपैठ की, फिर भी मोटे तौर पर रिजर्व बैंक अपनी स्वायत्तता जताने में सफल रहता था। इस कारण तब टकराव भी उभरते थे।

मगर नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने और शक्तिकांत दास के गवर्नर बनने के बाद से कहानी बदल गई है। इससे सरकार अपनी मौद्रिक एवं वित्तीय नीतियों को अपनी प्राथमिकताओं के अनुरूप लागू कर पाई है।

अब नए गवर्नर ने जो संकेत दिए हैं, उससे शुरुआती धारणा तो यही बनी है कि यह चलन आगे भी जारी रहेगा।

ईयर एंडर 2024

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के लिए ऐतिहासिक रहा यह साल, एयूएम 17 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

नई दिल्ली

भारतीय म्यूचुअल फंड (एमएफ) इंडस्ट्री के लिए 2024 एक ऐतिहासिक वर्ष रहा। इस दौरान सभी एमएफ स्कीमों के एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में 17 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की बढ़त हुई है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के डेटा के अनुसार, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एयूएम नवंबर के अंत में 68 लाख करोड़ रुपये था, जो कि दिसंबर 2023 के आंकड़े 50.78 लाख करोड़ रुपये से 17.22 लाख करोड़ रुपये या 33 प्रतिशत अधिक है।

बीते चार वर्षों में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की एयूएम में करीब 37 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

2023 में एयूएम 11 लाख करोड़ रुपये, 2022 में 2.65 लाख करोड़ रुपये और 2021 में करीब 7 लाख करोड़ रुपये बढ़ा था।

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एयूएम दिसंबर 2023 में 50.78 लाख करोड़ रुपये, दिसंबर 2022 में 40 लाख करोड़ रुपये, दिसंबर 2021 में 37.72 लाख करोड़ रुपये और दिसंबर 2020 में 31 लाख करोड़ रुपये था।

इसके अलावा नवंबर 2024 के अंत में फोलियो की संख्या 22.02 करोड़ थी, जो कि जनवरी में 16.89 करोड़ थी। यह फोलियो की संख्या में 5.13 करोड़ की वृद्धि को दर्शाता है। इसमें दिसंबर 2024 के आंकड़ों को नहीं जोड़ा गया है, क्योंकि वे जनवरी 2025 के पहले हफ्ते में जारी किए जाएंगे।

एम्फी के डेटा के मुताबिक, 2024 में करीब 174 ओपन-एंडेड स्कीम जुड़ी थी। कुल स्कीम की संख्या नवंबर में 1,552 थी। यह जनवरी में 1,378 थी। इस साल इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीम में सबसे अधिक 3.76 करोड़ नए फोलियो जुड़े हैं।

इसके बाद इंडेक्स फंड, गोल्ड ईटीएफ, अन्य ईटीएफ और विदेशी फंडों में निवेश करने वाले फंड ऑफ फंड में 1.17 करोड़ फोलियो जुड़े हैं।

इसके अलावा हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में 2024 में 19.42 लाख फोलियो जुड़े हैं। वहीं, सॉल्यूशन ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड्स में 1.87 लाख फोलियो जुड़े हैं। हालांकि, इस दौरान डेट म्यूचुअल फंड्स में फोलियो की संख्या में 3.11 लाख की गिरावट दर्ज की गई है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर जुलाई के उच्च स्तर से 23 प्रतिशत फिसला

मुंबई

बाजार पूंजीकरण के हिसाब से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का शेयर जुलाई में अपने उच्चतम स्तर से 23 प्रतिशत फिसल चुका है। अगर शेयर 2024 के बाकी बचे पांच कारोबारी सत्रों में 5 प्रतिशत बढ़ने में असफल रहा, तो कोविड-19 महामारी के बाद यह पहला मौका होगा, जब आरआईएल के शेयर में मासिक आधार पर इतने लंबे समय तक गिरावट रही है। साथ ही पिछले 10 वर्षों में यह पहला मौका होगा, जब यह नकारात्मक रिटर्न देगा।

आरआईएल के शेयर में लगातार हो रही गिरावट के कारण, इससे देश की सबसे बड़ी निजी कंपनी होने का खिताब छिनने का खतरा मंडरा रहा है।

स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, आरआईएल का मार्केट कैप जुलाई के अपने उच्चतम स्तर 21.50 लाख करोड़ रुपये से करीब 5 लाख करोड़ रुपये घटकर 16.50 लाख करोड़ रुपये रह गया।

वहीं, टाटा समूह के स्वामित्व वाली भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और बाजार पूंजीकरण के हिसाब से देश का सबसे बड़ा बैंक एचडीएफसी बैंक, आरआईएल को शीर्ष स्थान से हटाने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

टीसीएस का मार्केट कैप इस साल जनवरी में 13.72 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 15 लाख करोड़ रुपये हो गया है और यह आरआईएल को उसके शीर्ष स्थान से हटाने के सबसे करीब है। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप इस साल 12.95 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 13.74 लाख करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस और एचडीएफसी बैंक दोनों के शेयरों ने 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया। 24 दिसंबर की क्लोजिंग के अनुसार, टीसीएस ने इस साल लगभग 10 प्रतिशत और एचडीएफसी बैंक ने लगभग 7 प्रतिशत का रिटर्न दिया। वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में कमी के चलते टीसीएस और एचडीएफसी बैंक को लेकर निवेशक आशावान बने हुए हैं। वहीं, दूसरी तरफ आरआईएल का आय लगातार अनुमान से कमजोर बना हुआ है।

बॉक्सिंग डे टेस्ट नहीं खेलेगा राशिद खान, टीम को लगा बड़ा झटका, भरपाई मुश्किल

नईदिल्ली। पूरी दुनिया में क्रिसमस की धूम है लेकिन क्रिसमस के ठीक एक दिन बाद यानी 26 दिसंबर से क्रिकेट के फैंस के लिए जैसे महोत्सव शुरु हो रहा है. बॉक्सिंग डे पर एक नहीं, दो नहीं बल्कि 3 टेस्ट शुरु हो रहे हैं. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर सीरीज का चौथा टेस्ट मेलबर्न में शुरु हो रहा है. वहीं साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान की टीम भी सेंचूरियन में भिड़ेगी. तीसरा टेस्ट जिंबाब्वे और अफगानिस्तान के बुलावायो में खेला जाएगा. इस टेस्ट से एक दिग्गज खिलाड़ी बाहर हो गया है. जिंबाब्वे और अफगानिस्तान के बीच होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट से अफगानिस्तान के स्टार खिलाड़ी राशिद खान बाहर हो गए हैं. अफगानिस्तान के लिए ये एक बहुत बड़ा झटका है. राशिद जितने अच्छे स्पिनर हैं उतने ही अच्छे निचले क्रम के बल्लेबाज हैं. इसलिए उनका टीम से बाहर होना अफगानिस्तान के लिए झटका है और टीम के लिए इसकी भरपाई मुश्किल है. राशिद खान के बॉक्सिंग डे मैट से बाहर रहने की वजह एक चैरिटी इवेंट है जिसमें राशिद को भाग लेना है.

नए घरों के डेवलपमेंट में टियर 2 और 3 शहरों की हिस्सेदारी बढ़कर 40 प्रतिशत होने का अनुमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली

जयपुर, इंदौर और कोच्चि जैसे टियर 2 और 3 शहरों की हिस्सेदारी नए घरों के डेवलपमेंट में बढ़कर 2025 तक 40 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

जेएलएल इंडिया की रिपोर्ट में बताया गया कि टियर 2 और 3 शहरों में तेज वृद्धि के कारण रियल एस्टेट सेक्टर का जीडीपी में योगदान बढ़कर 13 प्रतिशत होने का अनुमान है।

रिपोर्ट के अनुसार, शहरी गृह स्वामित्व दर 2025 तक 72 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, जो 2020 में 65 प्रतिशत थी। इसकी वजह किफायती फाइनेंस विकल्पों का उपलब्ध होना और युवाओं द्वारा नए घर खरीदना है।

अनुमान के मुताबिक, 2030 तक नया घर खरीदने वालों में मिलेनियल्स और जेन जेड की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत होगी।

जेएलएल इंडिया में सीनियर डायरेक्टर और रेजिडेंशियल सर्विसेज और डेवलपर इनिशिएटिव (उत्तर और पश्चिम) के प्रमुख, रितेश मेहता ने कहा कि सस्टेनेबिलिटी, जिसे पहले एक लग्जरी समझा जाता था। आज एक जरूरत बन गई है। हमें उम्मीद है कि 2025 में ग्रीन सर्टिफाइड बिल्डिंग की हिस्सेदारी नए रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट्स में 30 प्रतिशत होंगी। यह आंकड़ा 2020 में 15 प्रतिशत था।

एलईईडी (लीडरशीप इन एनर्जी एंड एनवायरमेंट डिजाइन) जैसे ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन अधिक आम होते जा रहे हैं क्योंकि रियल एस्टेट उद्योग सस्टेनेबिलिटी को प्राथमिकता दे रहा है।

स्मार्ट और टेक्नोलॉजी इंटीग्रेटेड घरों की मांग में तेजी बनी हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार कि भारत में बजट फ्रेंडली हाउसिंग पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। सरकारी नीतियों से भी इसे समर्थन मिल रहा है। इसके कारण पहली बार घर खरीदने वाले लोगों को राहत मिल रही है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि कोविड-19 महामारी के बाद रियल एस्टेट बाजार में लग्जरी की परिभाषा बदल गई है।अब विशाल लेआउट, निजी बाहरी क्षेत्र और स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को ध्यान में रखते हुए वेलनेस सुविधाओं पर अधिक जोर दिया जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि भारत आगे है : शास्त्री

मेलबर्न

भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि गुरुवार से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले भारत आगे है।

पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ फिलहाल 1-1 से बराबर है। मुझे लगता है कि यह काफी कमज़ोर रही है। जब आप इस ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप को देखते हैं, तो मुझे बहुत समय हो गया है जब मैंने ऐसा ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप देखा है जिसमें शीर्ष क्रम इतना कमज़ोर हो। भारत ने इसका फ़ायदा उठाया है और आगे भी उठाता रहेगा।

शास्त्री ने न्यूज़डॉटकॉमडॉटएयू से कहा, मुझे लगता है कि यह एक शानदार मैच होने वाला है। मुझे लगता है कि भारत इस सीरीज़ को जीत लेगा, जिस तरह से यह सीरीज़ आगे बढ़ रही है। कोई भी विदेशी टीम 1-1 से बराबरी पर हो, खासकर जब मैच पर्थ, एडिलेड और ब्रिसबेन में हो, तो वे इसे जीत लेंगे। बॉक्सिंग डे में 1-1 से बराबरी पर जाना सबसे अच्छी स्थिति है। मैं कहूंगा कि भारत आगे है।

उन्होंने सैम कोंस्टास के बारे में भी अपना दृष्टिकोण साझा किया, जो एमसीजी में अपना टेस्ट डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, पहले तीन मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद नाथन मैकस्वीनी को बाहर कर दिया गया था। युवा कोंस्टास के लिए सबसे बड़ी चुनौती 21 विकेट लेकर मौजूदा सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का मुकाबला करना होगा।

भारत सीरीज में 1-1 से बराबर है और उस आदमी (बुमराह) ने अकेले ही भारत को उस स्थिति में पहुंचा दिया है। जहां तक कोंस्टास की बात है, मुझे लगता है कि वह बहुत तरोताज़ा है। उसके पास प्रतिभा है, वह शानदार है। लेकिन टेस्ट क्रिकेट तो टेस्ट क्रिकेट है। मुझे लगता है कि उसकी तकनीक और बेहतर होगी और वह ऑस्ट्रेलिया का भविष्य बनेगा।

शास्त्री ने कहा, मैकस्वीनी बहुत बदकिस्मत था। मुझे लगा कि उसने कड़ी मेहनत की है, लेकिन वह एक मध्यक्रम का बल्लेबाज है। मैं उसे ऑस्ट्रेलियाई टीम के श्रीलंका जाने पर वहां जाते हुए देखता हूं और वहां से अपना करियर फिर से बनाता हूं। लेकिन मुझे लगता है कि कोंस्टास को शामिल करना एक अच्छा कदम है, क्योंकि आपको किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो भारतीय टीम पर आक्रमण कर सके, क्योंकि प्रहार कहीं से भी आ रहे थे।

कोंस्टास वार्नर के क्लोन नहीं, बल्कि उनके स्वाभाविक उत्तराधिकारी हैं: चैपल

नई दिल्ली

किशोर बल्लेबाज सैम कोंस्टास भारत के खिलाफ महत्वपूर्ण बॉक्सिंग डे टेस्ट में एमसीजी में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ग्रेग चैपल का मानना है कि यह युवा खिलाड़ी पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर का स्वाभाविक उत्तराधिकारी है, न कि उनका क्लोन।

सैम कोंस्टास बॉक्सिंग डे पर 468वें ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टेस्ट खिलाड़ी बन जाएंगे। 19 वर्षीय खिलाड़ी 2011 में 18 वर्षीय पैट कमिंस के पदार्पण के बाद बैगी ग्रीन में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे।

चैपल ने द एज के लिए अपने कॉलम में लिखा, केवल 19 वर्ष की उम्र में, कोंस्टास इतिहास के शिखर पर हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट में बल्लेबाजी की शुरुआत करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी होंगे। बॉक्सिंग डे पर उनका पदार्पण रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दोनों है। कोंस्टास के पास शानदार रन बनाने और तेजी से अनुकूलन करने का स्वभाव और क्षमता है।

कोंस्टास को सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी की जगह शामिल किया गया है, जिनके स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं द्वारा गाबा में ड्रॉ हुए तीसरे टेस्ट के दौरान दो एकल अंकों के स्कोर के बाद काफी बहस हो रही थी।

उन्होंने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि चयनकर्ताओं का काम चैंपियन को तलाशना है, न कि उन खिलाड़ियों को चुनना जो नंबर बनाते हैं। अगर आप सही खिलाड़ी चुनते हैं, भले ही आपको भविष्य में किसी समय उन्हें बाहर करना पड़े, तो वे इस बात पर विचार करेंगे कि उन्हें किस तरह के सुधार की जरूरत है और वे मजबूत होकर वापसी करेंगे।

कोंस्टास शेफील्ड शील्ड के शुरुआती दौर में साउथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो शतक बनाकर सुर्खियों में आए। उन दो शतकों ने उन्हें शेफील्ड शील्ड में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले किशोर होने का गौरव भी दिलाया, इससे पहले 1993 में दिग्गज रिकी पोंटिंग ने ऐसा किया था। 88 रन की पारी से पहले कोंस्टास ने कैनबरा में पिंक-बॉल अभ्यास मैच में भारत के खिलाफ शतक भी लगाया था, इसके अलावा उन्होंने मेलबर्न में इंडिया ए के खिलाफ नाबाद 73 रन भी बनाए थे।

शाहिद कपूर की फिल्म देवा निर्धारित समय से पहले सिनेमाघरों में देगी दस्तक

एक्शन और थ्रिलर से भरपूर शाहिद कपूर स्टारर देवा मच अवेटेड फिल्मों में से एक है. इस मूवी की रिलीज डेट में लगातार बदलाव हो रहा है. पहले ये एक्शन थ्रिलर 14 फरवरी, 2025 को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब मेकर्स ने इसे तय तारीख से पहले रिलीज करने का फैसला किया है. मेकर्स ने पोस्टर जारी कर देवा की नई रिलीज डेट अनाउंस कर दी है.

ज़ी स्टूडियोज़ ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर थ्रिलर देवा की नई रिलीज की तारीफ जारी की है. बता दें कि ये फिल्म अब 31 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा गया है, धैर्य से बैठे रहिए, क्योंकि इंतजार अब और छोटा हो गया है! देवा आपकी सोच से भी जल्दी आपके पास आ रही है-31 जनवरी, 2025! हाईप रियल है, एनर्जी रूफ के जरिये है और हम उम्मीद से पहले इस एक्शन से भरपूर थ्रिलर को आपके सामने लाने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं. अपने कैलेंडर पर मार्क कर लें और एक ऐसे दिल छू लेने वाले एक्सपीरियंस के लिए तैयार हो जाएं जिसे आप नहीं भूलेंगे.

बता दें कि 'देवा' मलयालम के जाने-माने डायरेक्टर रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित है और इसे ज़ी स्टूडियोज़ और सिद्धार्थ रॉय कपूर ने प्रोड्यूस किया है. यह फिल्म लगभग एक साल बाद शाहिद कपूर की बड़े पर्दे पर वापसी का मौका है. फिल्म में उनके साथ पूजा हेगड़े और पावेल गुलाटी भी नजर आएंगे.

अनिल कपूर के जन्मदिन पर फिल्म सूबेदार से उनकी पहली झलक आई सामने

बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर आज 68 साल के हो गए हैं. वहीं आज उनके जन्मदिन पर फैंस उन्हें खूब बधाइयां दे रहे हैं, तो वहीं एक्टर ने भी फैंस को तोहफा दिया है. एक्टर ने हाल ही में अपनी नई फिल्म सूबेदार की अनाउंसमेंट की है और इसी के साथ फिल्म का फर्स्ट लुक भी सामने आ गया है. उनकी अपकमिंग फिल्म का टीजर भी रिलीज हो गया है.

फिल्म में वो फौजी के रोल में नजर आ रहे हैं. फिल्म का टीजर 1 मिनट, 47 सेकंड का है. जिसमें एक घर के अंदर का सीन शुरु होता है. जिसमें एक्टर बैठे हैं. वह जिस घर में होते हैं वो घर लोगों से घिरा हुआ होता है. जो कि बाहर खड़े दरवाजा पीट रहे होते है और सैनिक को बाहर आने के लिए कह रहे हैं. वहीं अनिल कपूर का लुक सामने आता है. जिसमें वो कुर्सी पर हाथ में बंदूक लिए नजर आ रहे होते हैं. वहीं वो कहते हैं- फौजी तैयार.

आज का राशिफल

मेष : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको नई जानकारी मिलेगी, यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोडक़र काम में मन लगाने की जरूरत है।

वृष : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपके संतुलित रवैया से फायदा मिलेगा, लोगो का व्यवहार आपके प्रति अच्छा रहेगा। घर में सुखद और अच्छा माहौल रहेगा।

मिथुन : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद पर गर्व करेंगे। आज आप वाहन लेने का मन बनायेंगे।

कर्क : आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। कुछ लोग रुकावटें भी पैदा करेंगे। अफवाहों पर ध्यान न देकर अपने कामों पर फोकस करें। निश्चित तौर पर आपको सफलता मिलेगी। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है।

सिंह : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज पुरानी गलती दोबारा न हो, इस बात का ध्यान रखना आपके लिए आवश्यक होगा। आपका जीवन प्रगति की ओर बढ़ रहा है, नई जिम्मेदारियों के लिए आप खुद को तैयार करेंगे।

कन्या : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे। थोड़ी विपरीत परिस्थितियां बनेंगी, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा।

तुला : आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। काम को पूरा करने में आ रही अड़चन आज समाप्त होंगी। इस राशि की महिलाएं जो घर पर ही बिजनेस करने की सोच रही है उनके लिए आज का दिन अच्छा है।

वृश्चिक: आज आपका दिन अच्छा गुजरने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट किसी टॉपिक में उलझ सकते हैं, बेहतरी के लिए आप किसी से हेल्प ले सकते हैं। आज आपके मन में शुभ विचारों का उदय होगा।

धनु: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को आज निर्णय लेने से पहले उसपर गहन विचार कर लेना चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप थोडा चिंतित हो सकते हैं।

मकर : आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप नया हुनर सीखेंगे। परिवार में किसी सदस्य से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज आपके घर मेहमान आ सकते हैं, घर में खुशनुमा माहौल बना रहेगा।

कुंभ: आज आपका दिन बढिय़ा रहने वाला है। लंबे समय से सोचा हुआ काम आज पूरा हो जाएगा जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। माता के साथ धार्मिक कार्यों में मन लगाने से शांति मिलेगी।शाम का समय परिवार वालों के साथ अच्छा बीतेगा।

मीन: आज आपका कॉन्फिडेंस बढ़ा रहेगा। इस राशि के बिजली विभाग के कर्मचारियों का दिन अच्छा रहेगा। जॉब की तलाश कर लोगों को अच्छी जॉब मिलने के योग हैं। आज आप दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर सेंसिटिव हो सकते हैं।

अजय देवगन की आजाद का पहला गाना बिरंगे जारी, होली के रंग में रंगे नजर आए राशा-अमन

अजय देवगन को पिछली बार सिंघम अगेन में देखा गया था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।अब अजय जल्द फिल्म आजाद के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे।यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके जरिए रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं।अब निर्माताओं ने आजाद का पहला गाना बिरंगे जारी कर दिया है, जिसे अमित त्रिवेदी और मीनल जैन ने गाया है।

आजाद अजय के भांजे अमन देवगन की भी पहली फिल्म है। इस गाने में अमन और राशा की खूबसूरत केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। होली के रंग में रंगे दोनों जबरदस्त डांस करते दिख रहे हैं।आजाद 17 जनवरी, 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। डायना पेंटी, मोहित मलिक और पीयूष मिश्रा जैसे कलाकार भी इस फिल्म में अभिनय करते नजर आएंगे।आजाद के निर्देशन की कमान अभिषेक कपूर ने संभाली है। रोनी स्क्रूवाला इस फिल्म के निर्माता हैं।

ऐसा पहली बार है जब अजय देवगन और डायना पेंटी एक साथ किसी फिल्म में नजर आएगी। यह राशा और अमन, दोनों की ही पहली बॉलीवुड फिल्म है। निर्देशन अभिषेक कपूर ने इससे पहले कई फिल्मों का निर्देशन किया है, जिसमें काई पो चे, केदारनाथ, रॉक ऑन और चंडीगढ़ करे आशिकी जैसी कई प्रसिद्ध फिल्में शामिल हैं। रॉनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कपूर द्वारा निर्मित यह फिल्म जनवरी 2025 में बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

अजय देवगन को आखिरी बार सिंघम अगेन में देखा गया था। सिंघम अगेन बाजीराव सिंघम की कहानी है, जो अपनी पत्नी अवनी कामत को डेंजर लंका द्वारा अपहरण किए जाने के बाद बचाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ता। फिल्म में चुलबुल पांडे के रूप में सलमान खान ने एक विशेष कैमियो भी किया, जो दर्शकों को बेहद पसंद भी आया।

शब्द सामर्थ्य- 277

बाएं से दाएं
1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे
1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

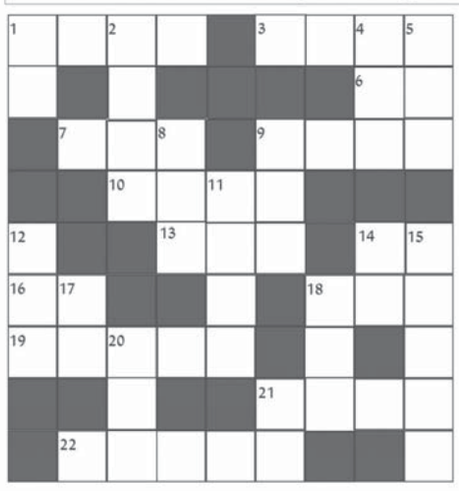

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 276 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त	
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द	
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी	
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र	
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■	
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न	
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र	
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ	
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी	

सू-दोकू- 277

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.276 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7